निबन्धों की दुनिया

हरिशंकर परसाई

प्रधान सम्पादक

डॉ. निर्मला जैन

सम्पादक

रेखा सेठी RSethi

वाणी प्रकाशन का लोगो
विख्यात चित्रकार मकबूल फिदा हुसेन
की कूची से

सर्वाधिकार सुरक्षित

इस पुस्तक को पूरी तरह या आंशिक तौर पर प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना किसी भी इलेक्ट्रानिक, यांत्रिक, फोटो कापी, रिकार्डिंग अथवा ज्ञान-संग्रहण एवं पुनर्प्रयोग की किसी भी प्रणाली द्वारा किसी भी रूप में न कहीं पुनरुत्पादित किया जाय न प्रेषित या प्रस्तुत किया जाय।

ISBN: 81-8143-579-6

वाणी प्रकाशन
21-ए, दरियागंज, नयी दिल्ली-110002
द्वारा प्रकाशित

प्रथम संस्करण : 2007

© प्रकाश दुबे

मूल्य : 250.00

आवरण : वाणी चित्रांकन

सुमन प्रिंटर्स, दिल्ली-110032
द्वारा मुद्रित

NIBANDHON KI DUNIYAN :
HARI SHANKAR PARSAI
Chief Editer : Dr. Nirmala Jain
Editer : Rekha Sethi

अनुक्रम

राजनीति से मुठभेड़

ठिठुरता हुआ गणतन्त्र	21
बैरंग शुभकामना और जनतन्त्र	25
कहाँ है भारत-भाग्यविधाता?	28
शर्म! शर्म! संस्कृति	32
तुसी हुकुम करो जी!	35
जाँच कमीशन : सरकार का कुल्ला	39
मानव-आत्मा और अमेरिकी हूटर	42
भारत को चाहिए : जादूगर और साधु	46

सामाजिक सरोकार

विकलांग श्रद्धा का दौर	51
हरिजन को पीटने का यज्ञ	55
हस्ती मिटती नहीं हमारी	58
इस्लाम के कोड़े	62
यह युग 'मिसफिट' का है!	66
न्याय का दरवाजा	69

ललित निबन्ध

सुजलां सुफलां	77
अन्न की मौत	80
राम की लुगाई और गरीब की लुगाई	84
कन्धे श्रवणकुमार के	88

भूत के पाँव पीछे 92
सबको सन्मति दे भगवान 95
निन्दा-रस 98
मुर्दे का मूल्य 102

स्त्री

विज्ञापन में बिकती नारी 107
'वो जरा वाइफ हैं न' 110

बाज़ार संस्कृति

लुच्चन की भीड़ 117
विज्ञापन-संस्कृति 120
शोभा बढ़ाने के लिए 123

साहित्य

प्रेमचन्द के फटे जूते 129
मुक्तिबोध : एक संस्मरण 132
लेखक : संरक्षण, समर्थन और असहमति 141
तीसरे दर्जे के श्रद्धेय 145

आत्मकथा

गर्दिश के दिन 151
व्यंग्य क्यों? कैसे? किसलिए? 157

विविध

भोलाराम का जीव 163
सदाचार का तावीज़ 168
मेरे जेबकट के नाम 173